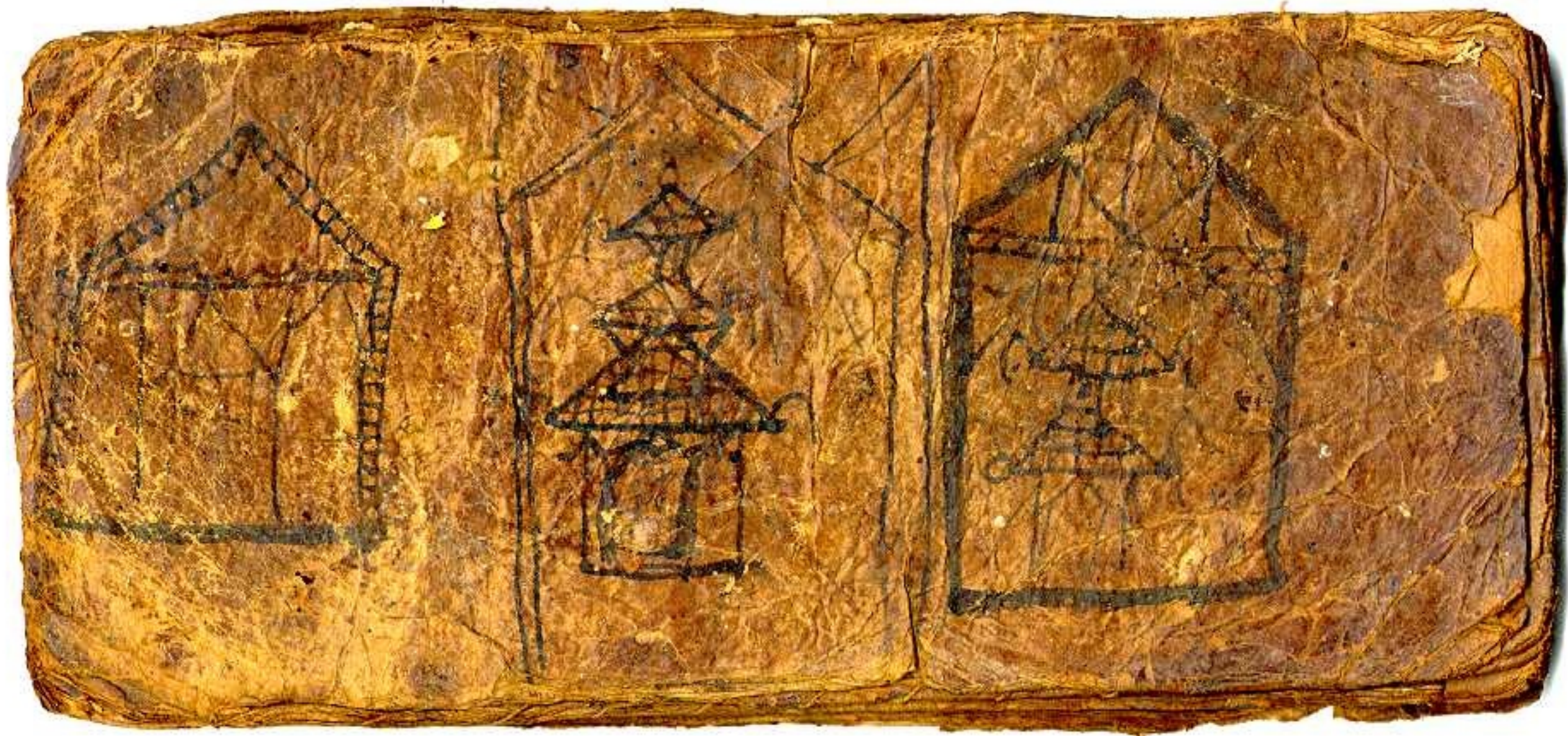




ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अर्जुनसंवादे
नानि नयन्मसुरमंगलायाः कामोच्यते कर्मसुखासिगदह
दधी ॥ तस्मात्तदासकनाहोसयानमामि ॥ ७ ॥ सद्यः
नयन्मसुरमंगलायाः कामोच्यते कर्मसुखासिगदह
दधी ॥ तस्मात्तदासकनाहोसयानमामि ॥ ७ ॥ सद्यः
नयन्मसुरमंगलायाः कामोच्यते कर्मसुखासिगदह
दधी ॥ तस्मात्तदासकनाहोसयानमामि ॥ ७ ॥ सद्यः

अथवा ॥ १ ॥ अथवा नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अर्जुनसंवादे
नानि नयन्मसुरमंगलायाः कामोच्यते कर्मसुखासिगदह
दधी ॥ तस्मात्तदासकनाहोसयानमामि ॥ ७ ॥ सद्यः
नयन्मसुरमंगलायाः कामोच्यते कर्मसुखासिगदह
दधी ॥ तस्मात्तदासकनाहोसयानमामि ॥ ७ ॥ सद्यः
नयन्मसुरमंगलायाः कामोच्यते कर्मसुखासिगदह
दधी ॥ तस्मात्तदासकनाहोसयानमामि ॥ ७ ॥ सद्यः

यसानद्यास पागातमस्य विदग्धप्रयुक्तिगानोऽस्य तादृ
या कसमगि विगसर्वयना ॥ नसानद्यास ॥ ३ ॥ गमसागस
नयवना गवस्यस्यना दयान्नत्रायसना विधायिकेन ना
ना द्यासना नथं वना कनसिद्धि यना नसानद्यास ॥ ४ ॥
॥ कस्यस्य गयत्रिय विगनां म्या लादि यसासदा जगुनय

दुनयुक्तिगानि निधयुक्तम्यसिनस्य गयम कणा वं गसानद्यास
॥ १ ॥ ॥ कस्यमंगवस दिगम ॥ २ ॥ ॥ कथसावक कना ॥ ४ ॥
सूत्रानिलमयं त्यं नानगंस्य हवमस्य विनासका गो ॥ ३ ॥
सानद्यासकनसिद्धि सदानसामि ॥ ६ ॥ ॥ विगितसानद्यासकव
सना ॥ समाक ॥ ४ ॥ ॥ गुरुसमंगनरवतु सर्वदोकारन

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
कथितं प्राकृतं श्रीविष्णुसामं त्वया गन्तव्यं नमस्तुते ॥
मानसं ह्येकं नमस्तुते ॥ २ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
गुरुं त्वं नमस्कृत्य वन्दे नमस्तुते ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
नमस्तुते ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

००	०३	०७	०८
०१	०२	०५	०६
०४	०९	१०	११
१२	१३	१४	१५

इहं नमो त ता रायः॥ श्रीमत्तयोत्तरकरं
नीनाथातुविराजिज्ञा॥ वा ना दु मर ता को तन्ये नाम्ना
म धीने उ जि तै नी ना निरकरं कार ना ना मृग सम
कु ना ना कु सु म आ ति मि स्म मं ता द हि मा सि
क वा ना हि दे फर ला पु त म य दौ गो नि त नै वा
कि र म धा सि त म त रं फा र्ख स व क्त

न वि वा धा ध र ग ग यो गं लो च ति ना जि त